

* काल *

(Tense)

* काल के तीन भेद हैं -

- ① वर्तमानकाल
- ② भूत ११
- ③ भविष्यत्काल

(1) वर्तमानकाल :- 5 भेद हैं ।

- (a) सामान्य वर्त० - वह पढ़ता है ।
- (b) तात्कालिक वर्त० - वह पढ़ रहा है ।
- (c) पूर्ण वर्तमान - वह पढ़ चुका है ।
- (d) संदिग्ध वर्त० - वह पढ़ता होगा ।
- (e) संभाव्य वर्त० - वह पढ़ता हो ।

(2) भूतकाल :- 6 भेद हैं ।

- (a) सामान्य भूत - सीता गयी ।
- (b) आसन भूत - सीता गयी है ।
- (c) पूर्ण भूत - सीता गयी थी ।
- (d) अपूर्ण भूत - सीता जा रहा थी ।
- (e) संदिग्ध भूत - सीता गयी होगी ।
- (f) हेतुहेतुमद् भूत - सीता जाती (क्रिया होने वाली थी/हूँगी)

(3) भविष्यत्काल :- 3 भेद हैं ।

- (a) सामान्य भवि० - शीखर पड़ेगा ।
- (b) संभाव्य भवि० - शीखर है शीखर पड़े ।
- (c) हेतुहेतुमद् भवि० - क्षतिवृत्ति मिले, तो शीखर पड़े ।
(एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर)

* समास *

- * समास का अर्थ होता है — संक्षिप्त कथना ।
- * दो शब्दों से मिलकर बने / दो से अधिक शब्दों से मिल कर बने हुए शब्दों को कहते — समास
- * समास के मुख्य भेद हैं — 6

(a) अव्ययीभाव समास

(b) तत्पुरुष समास

(c) कर्मधारय समास

(d) द्विगु ११

(e) द्वन्द्व ११

(f) बहुव्रीहि ११

(a) अव्ययीभाव समास : — पहला पद = (पूर्वप्रधान) होता है।

पहचान : — पहला पद में उपसर्ग (अनु, आ, प्रति ---) होगा।

Ex = प्रतिदिन = ^{पूर्व}प्रति + ^{उत्तर}दिन (प्रत्येक दिन)

आजन्म = आ + जन्म (जन्म से लेकर)

(b) तत्पुरुष समास : — उत्तरपद प्रधान होता, कारक चिन्ह छुपे होते ।

Ex = गगनचुम्बी = गगन को चूमने वाला (कर्म तः)

करुणापूर्णा = करुणा से पूर्ण (करण तः)

देशभक्ति = देश के लिए भक्ति (संप्रदान तः)

धनहीन = धन से हीन (अपदान तः)

राजपुत्र = राजा का पुत्र (सम्बन्ध तः)

परुषोत्तम = परुषों में उत्तम (अधिकरण तः)

कुछ अन्य तत्पुरुष भेद :-

नञ् तत्पुरुष :- पूर्व पद में निर्णयसूचक / नकारात्मक
शब्द (अ, अन, न, ना, गैर) लगे हों।

Ex = अन्धर्म :- न धर्म

अनावश्यक :- न आवश्यक

गैर वाजिब :- न वाजिब

अनिष्ट - न निष्ट

(C) कर्मधारय समास :- जिसका पहला पद विशेषण
तथा दूसरा पद विशेष्य अथवा
एक पद उपमान & दूसरा पद उपमेय होता है।

विशेषण :- विशेषता बताने वाले शब्द

विशेष्य :- विशेष्य जिसकी विशेषता बताई जाए।

Ex - नीलगगन - नीला है जो गगन

दुरात्मा - बुरी है जो आत्मा

उपमेय :- जिसकी उपमा दी जाए।

उपमान :- जिससे उपमा की जाए।

Ex - कनकलता - कनक के समान लता

धनश्याम - धन के समान श्याम

(D) संख्यावाची समास :- संख्यावाची समास (पहला पद - संख्या)
वाची)

Ex - त्रिफला - तीन फलों का समाहार

पंचवटी - पांच वटों " "

नवग्रह - नौ ग्रहों " "

(e) द्वन्द्व समास :- दोनो पदों के बीच यौगिक चिह्न जो 'और' की पेशागि है।

Quick - दोनो एक-दूसरे के बिलोम होते।

Ex - राम - लक्ष्मण - राम और लक्ष्मण

सुख - दुख - सुख और दुख

माता - पिता - माता और पिता

(f) बहुव्रीहि समास :- कोई पद सन्धान नहीं होता, दोनो शब्द मिलाकर एक नया शब्द बनाते हैं।

Ex = पशोन्नन = पश है आन्न जिससे अर्थात् रावण
पीताम्बर - पीत है अम्बर जिससे अर्थात्
विष्णु

रक्तदोत - एक है दोत जिससे अर्थात् गणेश

* संधि *

* स्वसंधि तीन प्रकार की होती है -

- ① स्वर संधि
- ② व्यंजन "
- ③ विभक्ति "

* स्वर संधि : - 5 प्रकार की होती है। (स्वर+स्वर)

① दीर्घ संधि

- ② गुण "
- ③ वृद्धि "
- ④ यण "
- ⑤ अयादि "

(1) दीर्घ संधि : - एकः त्वर्णे दीर्घः

नियम : -

अ/आ + अ/आ = आ परमाथी = परम + अर्थ
 इ/ई + इ/ई = ई कवीन्द्र = कवि + इन्द्र
 उ/ऊ + उ/ऊ = ऊ लक्ष्मि = लक्ष्म + ऊर्मि
 ऋ + ॠ = ॠ होतृकार = होतृ + तृकार

(2) गुण संधि : - इको यणचि आ५ गुणः

नियम : -

अ/आ + इ/ई = ए देवेन्द्र = देव + इन्द्र
 अ/आ + उ/ऊ = ओ चन्द्रोदय = चन्द्र + उदय
 अ/आ + ऋ = अॠ महर्षि = महा + तृषि

3) वृद्धि सन्धि : — वृद्धिरेचि

नियमः —

अ/आ + ए/ऐ = ऐ तत्रैव = तत्र + एव

अ/आ + ओ/औ = औ वनौषधः = वन + औषधि

4) घण सन्धि : — इकोयणचि (स्वर के बाद असमान स्वर आये)

नियमः —

इ/ई + असमान स्वर = य यद्यपि = यदि + अपि

उ/ऊ + " = व स्वागत = सु + आगतम्

ऋ + " = र धातंश = धातृ + अंश

असमान स्वर का अर्थ होता है कि जो स्वर पद में पहले आ चुका है, वी न आकर दूसरा कोई स्वर आए।

5) अयादि सन्धि : — (ञ्चोष्वायावः)

नियमः —

ए + असमान स्वर = अय नयन = नै + अन

ऐ + " = आय गायक = गौ + अक

ओ + " = अव श्रवण = श्रो + अन

औ + " = आव ध्रावक = ध्रौ + अक

* लघुजन संधि :-

* (त/द) के बाद (श) हो तो, Change to
 ↓
 (थ) (ह) हो जाता।

Ex = सत्त्वस्त = सत् + शस्त्व
 उच्छिष्ट = उत् + शिष्ट

Quick 4 = 'म' हो तो Change = अनुनासिक में।

Ex = सम् + कप्प = संउप्प
 किम् + चित् = किंचित्

* स के पहले (अ/आ) होकर कोई भी स्वर हो तो,
 Change = स = (ष) में

Ex = नि + सिष्ट = निषिष्ट
 सुधि + स्थिर = सुधिष्ठिर

Quick 5 = (-च्च्) हो तो (-च) हटा देते हैं।
 लेकिन, II पद = (ह) से शुरू होगा।

Ex = पस्चिद्देव = पारि + दैव
 लक्ष्मीच्छाया = लक्ष्मी + द्वाया
 किच्छेद = वि + दैव

* विसर्ग संधि :-

(1) = 'ओ' का विसर्ग कर देते हैं। [ओ के बाद सघोष, य, व, र, ल हो तो = विसर्ग]

Ex = अद्योवृत्त = अद्यः + वृत्त

मनोबल = मनः + बल

यशोदा = यशः + दा

मनोविभार = मनः + विभार

(2) = ~~अ/आ को दौड़कर आ कोई स्वर ≠ अघोष~~ ^{इसे वाच्य स हो और उसके}

Tricky (2) = (इ, ए, अ) हो तो ^{अग} विसर्ग कर दो।

Ex = निश्चल = निः + चल

दुष्ट = दुः + ट

विस्तार = विः + तार

नामकार = नामः + कार

Tricky (3) = (श्, ष, रस्) तो आधे बलिका विसर्ग होगा।

Ex = दुश्शील = दुः + शील

निस्संदेह = निः + संदेह

Tricky (4) = आधे (र) को हटाकर विसर्ग कर दो।

Ex = निर्गुण = निः + गुण

दुग्धमि = दुः + गम

निराशा = निः + आशा

Tricky (5) = (इ, ऊ) के बाद र हो तो Change (इ/ऊ = इ/उ)

Ex = नीरज = निः + रज

नीरोग = निः + रोग

नीरव = निः + रव

Tricky 6 = स्वर (विसर्ग) + स्वर ही ली विसर्ग हटा दो।

Ex = अतः + लव = अतल्ल
यशः + रुद्धा = यशरुद्धा

Tricky 7 = अ/आ(ः) के बाद (कु ख , प:फ) ही ली विसर्ग नहीं हटाता सैम लिख दो।

Ex = सातः + काल = सातकाल
मनः + कम्पत = मनकम्पत